सांध्य दैनिक

4PM

जब मैं इस संसार में बुराई खोजने चला तो मुझे कोई बुरा न मिला। जब मैंने अपने मन में झांक कर देखा तो पाया कि मुझसे बुरा कोई नहीं है।

-कबीर दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 81 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 27 अप्रैल, 2026

सुपरओवर में केकेआर ने... 7 | महाराष्ट्र में फिर एक और चुनाव... 3 | बयान बदलवाने से सच नहीं... 2

केजरीवाल का न्याय की चौखट से नैतिक विद्रोह

महात्मा गांधी के सत्याग्रह की तरह कानूनी लड़ाई के बजाय नैतिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे।

» जस्टिस स्वर्णकांता को लिखा पत्र न्याय मिलने की उम्मीद नहीं रही इसलिए न तो खुद अदालत में पेश होंगे और न ही अपने वकील को भेजेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सबसे मजबूत संस्थाओं में गिनी जाने वाली न्यायपालिका के दरवाजे पर एक ऐसा सवाल दस्तक दे रहा है जो सिर्फ एक केस या एक नेता तक सीमित नहीं है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने केस से रिलेटेड एक ऐसा फैसला लिया है जिसने न्यायिक प्रणाली के इर्द गिर्द पनपे इको सिस्टम पर जबर्दस्त प्रहार किया है। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें अदालत से न्याय की उम्मीद खत्म हो चुकी है।

उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह का हवाला देते हुए एक नैतिक लड़ाई लड़ने का एलान किया है और कहा है कि अब वह केस की पैरवी में न तो वह खुद शामिल होंगे और न ही उनका वकील शामिल होगा। उनके इस एलान से सवाल उठता है कि जब एक पूर्व मुख्यमंत्री एक संवैधानिक पद पर रह चुका व्यक्ति यह कहे कि अब उसे न्यायिक प्रक्रिया से भरोसा नहीं रहा तो आम नागरिक क्या सोचेगा? क्या यह व्यक्तिगत असंतोष है? या फिर उस व्यापक असहजता की अभिव्यक्ति जो धीरे-धीरे समाज के अलग-अलग हिस्सों में दिखने लगी है? वहीं दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से स्पष्ट कहा गया है कि न्यायाधीश की निष्पक्षता पर सवाल केवल ठोस सबूतों के आधार पर ही उठाया जा सकता है न कि आशंकाओं पर। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने अपने फैसले में यही रेखांकित किया कि संस्थागत गरिमा सर्वोपरि है और अदालत की प्रक्रिया को किसी भी तरह प्रभावित नहीं होने दिया जा सकता।

व्यक्ति का विश्वास संस्था की मर्यादा

व्यक्ति का विश्वास और संस्था की मर्यादाओं के बीच का यह टकराव नया नहीं है। देश में कई ऐसे मामले रहे हैं जहां न्यायिक प्रक्रिया को लेकर सवाल उठे। कभी देरी को लेकर कभी जमानत को लेकर कभी फैसलों की टाइमिंग को लेकर। लेकिन हर बार न्यायपालिका ने अपने फैसलों के जरिए यह साबित करने की कोशिश की कि कानून का रास्ता ही अंतिम रास्ता है। तो क्या हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां भरोसा और प्रक्रिया आमने-सामने हैं? या फिर यह लोकतंत्र की वह स्वाभाविक प्रक्रिया है जहां सवाल उठते हैं बहस होती है और अंततः संस्थाएं खुद को और मजबूत करती हैं? यह सिर्फ एक घटना नहीं यह उस बड़े सवाल की शुरुआत है जिसका जवाब आने वाले समय में तय करेगा कि जनता का विश्वास किस ओर झुकेगा।

क्या यह इकोसिस्टम का मुद्दा है?

यह सवाल अब सिर्फ बहस का हिस्सा नहीं बल्कि एक गहरी चिंता का विषय बन चुका है। कुछ आलोचकों का मानना है कि न्याय प्रक्रिया के इर्द-गिर्द एक ऐसा जटिल ढांचा खड़ा हो गया है जो आम नागरिक के लिए रास्ता आसान करने के बजाय और पेचीदा बना देता है। अदालतों तक पहुंच सैद्धांतिक रूप से सबके लिए खुली है लेकिन व्यवहार में लंबी तारीखें, जटिल कानूनी भाषा और महंगे वकीलों की फीस इन सबका मेल न्याय को दूर बना देता है। यही कारण है कि कई बार लोगों के मन में यह धारणा बनती है कि न्याय सिर्फ उन लोगों तक आसानी से पहुंचता है जिनके पास संसाधन और समय दोनों हैं। एक आम व्यक्ति जो रोजमर्रा की जिंदगी की जद्दोजहद में उलझा है उसके लिए वर्षों तक चलने वाली कानूनी लड़ाई लड़ना आसान नहीं होता। हालांकि तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। न्याय व्यवस्था ने खुद को समय के साथ बदलने की कोशिश की है। ई-कोर्ट्स, फास्ट ट्रैक अदालतें और डिजिटल सुनवाई जैसे कदम इस दिशा में उठाए गए हैं ताकि प्रक्रिया को तेज और सुलभ बनाया जा सके। खासकर महामारी के बाद वर्चुअल सुनवाई ने न्याय तक पहुंच को एक नया आयाम दिया है। फिर भी मूल सवाल जस का तस खड़ा है कि क्या यह सुधार जमीनी स्तर पर उस व्यक्ति तक पहुंच पा रहे हैं जिसे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है? उत्तर साफ मिलता है कि समस्या एकतरफा नहीं है। न तो पूरा सस्टम विफल है न ही पूरी तरह परिपूर्ण। असल चुनौती यही है कि प्रक्रिया को सरल बनाना समय को कम करना और भरोसे को मजबूत करना। क्योंकि अंततः न्याय सिर्फ फैसलों से नहीं बल्कि उसकी पहुंच और अनुभव से तय होता है।

केजरीवाल द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि पक्षपात के दावों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है, जिनमें अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी या उनके परिवार के सदस्यों की पेशेवर व्यस्तता से संबंधित आरोप भी शामिल हैं।

न्याय व्यवस्था के खिलाफ नहीं बल्कि अपने सिद्धांतों के समर्थन में

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता को चिट्ठी के जरिए एक बड़ा फैसला जाहिर किया है। उन्होंने कहा है कि अब जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं रही इसलिए वह न तो खुद अदालत में पेश होंगे और न ही अपने वकील को भेजेंगे। अपने पत्र में केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि उन्होंने यह निर्णय अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर लिया है। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह का हवाला देते हुए कहा कि अब वह कानूनी लड़ाई के बजाय नैतिक और वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे।

केजरीवाल ने यह भी संकेत दिया है कि उनका यह कदम न्याय व्यवस्था के खिलाफ नहीं बल्कि अपने सिद्धांतों के समर्थन में है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि यदि जस्टिस स्वर्णकांता कोई फैसला सुनाती हैं तो उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार वह अपने पास सुरक्षित रखेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले 20 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने दिल्ली आबकारी नीति मामले की सुनवाई से न्यायमूर्ति को खुद को अलग करने की मांग की थी। अपना निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने स्पष्ट किया कि याचिका पर विचार किए बिना सुनवाई से पीछे हट जाना एक आसान विकल्प होता किंतु उन्होंने संस्थागत शुचिता और गरिमा को सर्वोपरि रखते हुए मामले के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना उचित समझा। उन्होंने उल्लेख किया कि जब उन्होंने अपना फैसला पढ़ना शुरू किया तो न्यायालय कक्ष में पूर्ण निस्तब्धता (सन्नाटा) छा गई थी। न्यायमूर्ति ने आगे कहा कि उनके समक्ष यह केवल एक कानूनी प्रश्न नहीं था बल्कि एक ऐसी चुनौती थी जिसने न्यायाधीश और न्यायिक संस्था दोनों को परीक्षण की कसौटी पर खड़ा कर दिया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस बात को दोहराते हुए कहा था कि जब तक ठोस सबूतों से खंडन न हो जाए न्यायाधीश की निष्पक्षता को मान लिया जाता है और किसी वादी की महज आशंका या व्यक्तिगत धारणा के आधार पर न्यायाधीश को मामले से अलग नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी वादी को ऐसी स्थिति उत्पन्न करने की अनुमति नहीं दी जा सकती जिससे न्यायिक प्रक्रिया का स्तर गिरे। झूठ चाहे अदालत में या सोशल मीडिया पर हजार बार दोहराया जाए सच नहीं बनता।

बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता : अखिलेश

» गाजीपुर के करंडा कटरिया मामले में सपा ने योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजीपुर के करंडा कटरिया मामले में यूपी की सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। सपा ने योगी सरकार पर करारा वार किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता। उन्होंने एफआईआर में देरी, पीड़ित परिवार पर दबाव और कार्रवाई न होने जैसे कई सवाल उठाए। बयान के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है।

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश ने इतना कमजोर मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा, जो घोर अत्याचार के शिकार गरीब-बेबस पीड़ितों पर दबाव डालकर बयान बदलवाते हैं।

अखिलेश ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि सवाल ये हैं कि

एफआइआर लिखवाने में इतनी देर क्यों हुई, बयान क्यों बदलवाया गया। पीड़ित परिवार को और उत्पीड़ित क्यों किया जा रहा है। पुलिस तक पर पथराव करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने से किसने रोका था। सबको सच मालूम है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट कुछ भी कहे, गांव के हर घर को जमीनी सच्चाई मालूम है।

गांव के हर समाज में भाजपा का झूठ पहुंच गया है। इससे पीडीए समाज में गुस्सा और आक्रोश है। गाजीपुर की बेटी हत्याकांड, हाथरस की बेटी हत्याकांड का दोहराव है। दोनों पीड़ितों के परिवार 'पीडीए परिवार' थे। सामाजिक न्याय का राज लाने का पीडीए का मिशन दरअसल आजादी के बाद की एक और असली आजादी का आंदोलन है। हम इसके लिए ही संघर्षरत हैं।

गाजीपुर की घटना हाथरस का दोहराव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी हाथरस की कानून व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। सपा प्रमुख ने गाजीपुर की घटना को हाथरस कांड का दोहराव बताया है और सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार की दोपहर अपने फेसबुक एकाउंट से गाजीपुर की घटना को लेकर पोस्ट किया। उन्होंने बयान बदलवाने पर सवाल खड़े किए। साथ ही लिखा कि गाजीपुर की बेटी का हत्याकांड, हाथरस की बेटी के हत्याकांड का दोहराव है। सपा प्रमुख का इशारा छह साल पहले हुए चंदपा कांड की तरफ है, जो कि राजनीति के कारण काफी सुर्खियों में रहा था।

राहुल-प्रियंका का संदेश लेकर गाजीपुर जाएगा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी का संदेश लेकर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को गाजीपुर जाएगा। यहां की पूरी स्थिति की जानकारी लेगा और राहुल प्रियंका गांधी को रिपोर्ट सौंपेगा। गाजीपुर के कटारिया गांव में विश्वकर्मा समाज की नाबालिग की मौत मामले पर सियासत तेज हो गई है।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया है। अब कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं का प्रतिनिधि मंडल सोमवार को गाजीपुर पहुंच रहा है। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि गाजीपुर प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद, एससी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, अजय कुमार लल्लू, सुभाषिनी बुंदेला, जितेंद्र बघेल, सांसद तनुज पुनिया, सांसद राकेश राठौर, राज्यसभा सदस्य कर्मवीर सिंह बौद्ध, विधायक वीरेंद्र चौधरी, इंदरजीत सिंह, अनिल यादव सहित 21 लोग शामिल रहेंगे।

हरियाणा में एकदिवसीय विशेष सत्र की कार्यवाही पर संग्राम

कांग्रेस विधायकों ने किया सदन का बहिष्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शोक प्रस्ताव पढ़ रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने सदन का बहिष्कार कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विशेष सत्र से पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई। भाजपा नारी शक्ति वंदन विधेयक पर कांग्रेस की भूमिका के खिलाफ सदन में निंदा प्रस्ताव लेकर आएगी।

कांग्रेस ने इसे नियमानुसार गलत बताते हुए विरोध करने का फैसला किया है। इस मुद्दे पर सदन में पक्ष-विपक्ष के बीच हंगामा तय है। कांग्रेस विधायक आफताब अहमद के मुताबिक पार्टी देशभर में लोकसभा की 543 सीटों में से 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने और यही व्यवस्था सभी राज्यों की विधानसभाओं में भी लागू करने का प्रस्ताव लाएगी। भाजपा सरकार कांग्रेस की इसी भूमिका को लेकर निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। सरकार का तर्क है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का रास्ता साफ कर चुका है इसलिए कांग्रेस का रुख विरोधाभासी है। सत्र में एक अहम

भाजपा ने छह साल में तीन विशेष सत्र बुलाए, विधानसभा सत्र में सरकार को बेनकाब करेंगे : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा बोले कि विधानसभा सत्र में सरकार को बेनकाब करेंगे। हर मुद्दे का मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। अगर भाजपा निंदा करेगी तो कांग्रेस भी भाजपा की निंदा करेगी। महिला आरक्षण बिल पर केंद्र सरकार की नीयत साफ नहीं है और यह सिर्फ वोट बैंक की राजनीति है।

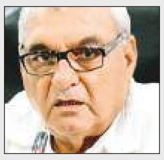

विधेयक भी पेश किया जाएगा। हरियाणा क्लेरिकल सर्विस बिल 2026 को कैबिनेट पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इसके तहत ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए क्लर्क पद पर प्रमोशन का कोटा 20 फीसदी से बढ़ाकर 30 फीसदी किया जाएगा। साथ ही 5 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को पदोन्नति का पात्र माना जाएगा और 5 फीसदी एक्स-ग्रेशिया पद भी अनिवार्य होंगे। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के आरोप में निलंबित पांचों विधायक शैली चौधरी, रेनू बाला, मोहम्मद इसराइल, मोहम्मद इलियास और जरनैल सिंह को भी विधायक दल की बैठक में शामिल होने का संदेश भेजा गया है। इन पांचों विधायकों पर बैठक में शामिल होने से लेकर सदन तक में सभी नजर रहेंगी।

सपा बिगाड़ना चाहती है प्रदेश का माहौल : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजीपुर के कटारिया गांव की घटना को लेकर पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक बेटी की मौत जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। सरकार ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता, डेढ़ बीघा जमीन का पट्टा और मुख्यमंत्री आवास उपलब्ध कराया है।

राजभर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वह गांव पहुंचे और परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत डूबने से होने की पुष्टि हुई है। गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज में युवती अकेले जाते हुए दिखाई दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने सपा के केवल 15 लोगों के जाने की अनुमति दी थी, लेकिन करीब 250 लोग पहुंच गए। सभी के एक साथ जाने की जिद के चलते विवाद हुआ और पथराव की घटना भी सामने आई, जिससे माहौल बिगड़ा। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना तथ्यों के हत्या या दुष्कर्म जैसे आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट को अदालत भी मान्यता देती है।

बामुलाहिज़ा

कार्टून : हसन जैदी

दलाली-भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं राजस्थान के भाजपा विधायक

» पूर्व कांग्रेस विधायक ने लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सवाई माधोपुर। सवाई माधोपुर की खंडार विधानसभा क्षेत्र में मानसरोवर बांध के वेस्ट वॉटर यानी ओगाड़ पुलिया और सवाई माधोपुर को एमपी से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे 552 पर बनी बोदल पुलिया की खराब स्थिति को लेकर कांग्रेस के पूर्व विधायक अशोक बैरवा ने चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि इन दोनों स्थानों की हालत गंभीर बनी हुई है और समय रहते मरम्मत नहीं होने पर आगामी मानसून में बड़ा नुकसान हो सकता है। अशोक बैरवा ने सवाई माधोपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि सवाई माधोपुर को श्योपुर से जोड़ने वाले सड़क मार्ग पर स्थित बोदल पुलिया पिछले बरसात के दिनों में टूट गई

थी। इसके कारण करीब दो माह तक यातायात बाधित रहा। बाद में प्रशासन द्वारा अस्थायी मरम्मत कराकर मार्ग को सुचारु किया गया, लेकिन जुलाई 25 से अप्रैल 26 तक दस माह बीत जाने के बावजूद पुलिया का स्थायी निर्माण नहीं कराया गया है। अशोक बैरवा ने वर्तमान भाजपा विधायक जितेंद्र गोठवाल पर भी गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय विधायक जनता की समस्याओं से बेपरवाह हैं और दलाली व भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि थाने और तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार है तथा सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदारों से कमीशन की मांग की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि इसी कारण कई ठेकेदार काम छोड़कर चले गए हैं। साथ ही कहा कि बजरी की दलाली के अलावा क्षेत्र में कोई काम नहीं हो रहा है और विकास कार्य ठप पड़े हैं, जिससे जनता परेशान है।

पूर्व विधायक के इन आरोपों के बाद क्षेत्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। पुलिया निर्माण, प्रशासनिक कार्रवाई और विकास कार्यों को लेकर अब स्थानीय स्तर पर चर्चा बढ़ने की संभावना है।

महाराष्ट्र में फिर एक और चुनाव विप के लिए सजने लगा मंच

महाविकास अघाड़ि व महायुति ने कसी कमर

- बंगाल व तमिलनाडु की बंपर वोटिंग की चर्चा मुंबई तक
- पहलगाम हमले की बरसी पर सामना में शिवसेना यूबीटी ने उठाए सवाल
- कांग्रेस व एनसीपी-एसपी में तू-तू-मैं-मैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनावी सरगर्मी अब भी जारी है। पहले विस चुनाव फिर नगर निकाय चुनाव उसके बाद राज्य सभा फिर उपचुनाव अब विधान परिषद चुनाव को लेकर वहां सियासी हलचल तेज हो गई। इस बीच महायुति व महाविकास अघाड़ि के बीच वार-पलटवार भी चालू है। जहां शिवसेना यूबिटी ने अपने मुख पत्र सामना में पहलगाम अटैक को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है, उससे उसे तेवर अब भी आक्रामक है।

उधर विधान परिषद की 10 सीटों के चुनाव के नामांकन प्रक्रिया शुरू होते ही सरगर्मी बढ़ गई है। राजनीतिक हलकों में सभी की नजरें उद्धव ठाकरे पर लगी हुई है कि 31 महीने तक महाराष्ट्र के सीएम रहे उद्धव ठाकरे क्या फिर से विधान परिषद जाएंगे। उद्धव ठाकरे ने इस बारे में अभी कोई संकेत नहीं दिए हैं लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार)की नेता और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले की एक पोस्ट ने राजनीतिक पारा चढ़ा दिया है। इस बीच संजय राउत ने बंगाल व तमिलनाडु में बंपर वोटिंग को लोकतंत्र के लिए अच्छा बताया है।

सुप्रिया सुले की पोस्ट पर कांग्रेस भड़की

सुप्रिया सुले की इस मांग पर कांग्रेस को नाराज कर दिया है। कांग्रेस ने कहा है कि मीडिया के जरिए इस बारे में चर्चा करना ठीक नहीं है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे विधान परिषद का चुनाव लड़ते हैं, तो उनका स्वागत होगा, लेकिन अगर वे चुनाव नहीं लड़ते हैं, तो हमें इस पर चर्चा करनी होगी। उमीदवार कौन होगा, क्योंकि उसके बाद जो राज्यसभा सीट आएगी, उसके लिए किस पार्टी का उम्मीदवार होगा, यह अभी साफ करना होगा। महाविकास अघाड़ी एकजुट रहे, इसके लिए तीनों पार्टियों के साथ मिलकर फैसले लेने होंगे। दस सदस्यों को चुनने के लिए मतदान करेंगे।

पहलगाम हमला: असली साजिशकर्ताओं को सजा मिली या फिर न्याय अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की भेंट चढ़ गया

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी पर शिवसेना (यूबीटी) ने तीखी प्रतिक्रिया दी। पार्टी के मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया कि एक साल बाद भी देश के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस नरसंहार के असली साजिशकर्ताओं को सजा मिली या फिर न्याय अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की भेंट चढ़ गया। संपादकीय में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अपनी बात दुनिया के सामने रखने के लिए कई सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजे। लेकिन बहुत कम देशों ने भारत का खुलकर समर्थन किया। वहीं, देश के भीतर इस हमले की जांच भी ठहरती हुई नजर आ रही है।

महाराष्ट्र विधानसभा में महायुति का है दबदबा

महाराष्ट्र विधानसभा में मौजूदा स्थिति में विपक्ष के पास कुल संख्याबल 51 सदस्यों का है। इसमें शिवसेना यूबीटी के 20, कांग्रेस के 16 और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के 10 विधाय हैं। इसके अलावा एक विधायक सीपीआईएम और एक विधायक पीडब्ल्यूपीआई का है। विपक्षी खेमे में समाजवादी पार्टी के दो और एआईएमआईएम के एक विधायक भी है। विधानसभा की दो खाली सीटों पर चुनाव चल रहे हैं। जिनके नतीजे 4 मई को आ जाएंगे। सत्तारूढ़ महायुति का संख्याबल 235 सदस्यों का है। महाराष्ट्र में विधानसभा परिषद चुनावों के जरूरत पड़ने पर चुनाव की तारीख 12 मई रखी गई है। विधानसभा की कुल 10 सीटों में 9 के लिए चुनाव और एक सीट के लिए उपचुनाव होगा। एमवीए के खाते में एक ही सीट आने की उम्मीद की जा रही है।

बांगल व तमिलनाडु में बंपर मतदान लोकतंत्र के लिए अच्छा : राउत

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल (पहले चरण) और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड संख्या में मतदाताओं का मतदान करना लोकतंत्र के लिए अच्छा है। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि मतदाताओं की इतनी बड़ी भागीदारी से लोकतंत्र में लोगों की गहरी आस्था का पता चलता है, लेकिन उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी ने मतदाताओं के आने-जाने की सुविधा के लिए सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया।

उन्होंने कहा कि यह सच है कि एक तरह की लहर चली, और इसी वजह से इतनी बड़ी संख्या में मतदान हुआ। एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) भी एक वजह है जिसके चलते लोगों ने मतदान किया। जब ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान करते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक शुभ संकेत होता है। बीजेपी ने सरकारी पैसों का इस्तेमाल करके देश भर से ज्यादा से ज्यादा बंगालियों को–चाहे वे मतदाता हों या न हों–पश्चिम बंगाल तक लाने का काम किया।

उठाया गया यह सवाल

लेख में यह भी सवाल उठाया गया कि आखिर आतंकवादी सीमा से करीब 200 किलोमीटर का सफर तय कर पहलगाम तक बिना पकड़े कैसे पहुंच गए और हमले के बाद जंगलों में कैसे फरार हो गए। इन गंभीर सुरक्षा चूकों पर अब तक स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। संपादकीय में इस हमले को 2019 के पुलवामा हमले के बाद क्षेत्र का सबसे बड़ा आतंकी हमला बताया गया है। कहा गया कि एक साल बीत जाने के बावजूद लोगों का दर्द कम नहीं हुआ है और न्याय को लेकर कई अहम सवाल आज भी अनुत्तरित हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर भी रखी राय

हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान के अंदर आतंकी ठिकानों और सैन्य चौकियों को निशाना बनाया गया। तीन दिनों तक चले इस संघर्ष के बाद ऐसा माना जा रहा था कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई हो सकती है। संपादकीय के अनुसार, यह अभियान अचानक उस समय रुक

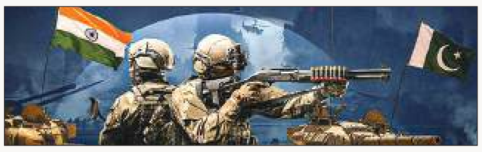

गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम की घोषणा की, जिसे भारत और पाकिस्तान दोनों ने स्वीकार कर लिया। ट्रंप ने बाद में दावा भी किया कि उन्होंने व्यापार प्रतिबंधों की धमकी देकर इस संघर्ष को रुकवाया।

महाविकास आघाडी की तरफ से उम्मीदवार बनें उद्धव : सुले

सुले ने एक पोस्ट में लिखा है कि महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव होने वाले हैं। हमारी अनुरोध है कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे इस चुनाव में महाविकास आघाडी की तरफ से उम्मीदवार हों। उन्होंने कहा कि उद्धव राज्य के सीनियर और अनुभवी नेता हैं। हम सभी का पक्का मानना है कि राज्य और विधानसभा दोनों को उनके अनुभव से विपक्ष को फायदा होगा। हमारी विनम्र अपील है कि उद्धव ठाकरे भी हमारी इस मांग पर विचार करें।

बारामती के 58.27 और राहुरी में 55 प्रतिशत मतदान

महाराष्ट्र के पुणे जिले की बारामती विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में गुरुवार शाम छह बजे तक 58.27 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। इस सीट से उनकी पत्नी, उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख सुनेत्रा पवार और 22 अन्य उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं अहिल्यानगर जिले के राहुरी विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के दौरान 56.20 प्रतिशत मतदान हुआ। बारामती विधानसभा में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद वहां पर उपचुनाव कराया जा रहा है। अजित पवार की पत्नी और राज्य की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार उम्मीदवार है। उनके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सुनील तटकरे, प्रफुल पटेल, छगन भुजबल, उदय सामंत और रामदास आठवले

सहित कई प्रमुख नेताओं ने चुनाव प्रचार किया। चुनावी रैलियों में भाग लिया। सुप्रिया सुले ने भी रैली में भाग लिया। उम्मीदवार सुनेत्रा पवार, सांसद सुप्रिया सुले, पार्थ पवार और विधायक रोहित पवार सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुनेत्रा पवार के खिलाफ विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं है। तबीयत ठीक नहीं होने के कारण शरद पवार मतदान नहीं कर सके। अहिल्यानगर जिले की राहुरी विधानसभा पर 55.31 प्रतिशत मतदान हुआ। इस सीट से बीजेपी के विधायक शिवाजी कर्डिले के निधन से सीट खाली हुई थी। यहां के उपचुनाव में बीजेपी ने उनके बेटे अक्षय कर्डिले चुनाव लड़ रही है। उनका मुकाबला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के उम्मीदवार गोविंद मोकाटे और वंचित बहुजन अघाड़ी के संतोष चालके से है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सृजनशीलता की सीख देता है पुस्तकों का अध्यन

"हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है।

शीर्ष कोर्ट की एक न्यायाधीश की यह टिप्पणी कि ज्ञान बढ़ाना आवश्यक है इसके लिए सबसे अच्छा माध्य किताबें हैं। यह स्वागत योग्य बयान है। अमूमन पिछले साम-आठ वर्ष में देखने को मिला है कि लोग सोशल मीडिया के चलन के बाद से किताबों से दूर हो गए है। पर ये अच्छी बात है कि पिछले एक दो साल में लोग फिर किताबों की ओर जा रहे हैं। इस बात को दर्शाते हैं समय-समय पर लगने वाले पुस्तक मेले। वही हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सवटिस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 26 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है। पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाये हुए हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कच्ची पर्ची पर रोक से किसानों को राहत की पहल

डॉ. वीरेंद्र लाथर

कृषि लागत और मूल्य आयोग और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड की विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में अधिकांश समय, फसल उपज की कीमतें औसतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार के स्तर और समर्थन मूल्य से नीचे बनी रहीं और बिचौलिए आढ़तियों द्वारा शोषण के कारण कृषि उपज वस्तुओं के अंतिम उपभोक्ता मूल्य में किसानों का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है। यह हिस्सा फसल और बाजार के आधार पर 28 से 78 प्रतिशत के बीच है। ये चिंताजनक आंकड़े मंडी व्यवस्था में मूलभूत नीतिगत सुधारों की आवश्यकता दर्शाते हैं। हरियाणा की कृषि उपज मंडियों में बिचौलिए आढ़तियों के शोषण से किसानों को मुक्त करने के लिए, लागू किए गए फसल बिक्री पर धनराशि किसान के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित करने जैसे नीतिगत सुधारों के सकारात्मक नतीजे मिले हैं।

फसल बिक्री से किसानों को मिलने वाली राशि पर आढ़तियों की पकड़ ढीली हुई है। आढ़तियों की कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों के लगातार हो रहे शोषण के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। जिसके चलते 1 अप्रैल 2026 को प्रदेश की मंडियों के आढ़तियों को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था तुरंत बन्द करने और उपज बिक्री-तुलाई के तुरंत बाद कानूनी रसीद जे-फार्म अनिवार्य रूप से किसानों को देने के आदेश जारी किए। कृषि विशेषज्ञ के अनुसार, अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगने से, प्रदेश के किसानों को 30-40 प्रतिशत यानि गेहूं-धान फसल चक्र में 25-30 हजार रुपये प्रति एकड़ ज्यादा सालाना लाभ होगा। इस फैसले को किसान हित में महत्वपूर्ण कृषि विपणन सुधार माना जा रहा है। हरियाणा की मंडियों में लगभग 16 करोड़ क्विंटल खाद्यान्न, 1.5 करोड़ क्विंटल तिलहन, एक करोड़ क्विंटल दलहन और 12-15 लाख बेल कपास आदि फसल उपज का वार्षिक विपणन होता है। इन सबका मौजूदा समर्थन मूल्य लगभग 70,000 करोड़ रुपये वार्षिक है। गौरतलब है कि मार्च-2022 से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकार-क्षेत्र में 114 मुख्य मंडियों और कुल 376 उप-मंडियों/खरीद केन्द्रों का विशाल नेटवर्क है, जिसमें लगभग 40 हजार आढ़ती कार्यरत हैं। इन्हें विभिन्न फसलों की बिक्री पर 2 से 2.5 प्रतिशत कमीशन (आढ़त) मिलता है। जो लगभग 1400 करोड़ रुपये वार्षिक बनता है। ऐसे में प्रत्येक आढ़ती को औसत 3-4 लाख रुपये वार्षिक आढ़त बनती है। जो प्रदेश

में कुशल श्रमिक के वार्षिक वेतन से भी कम है। निस्संदेह, प्रदेश की कृषि मंडियों में आढ़तियों की संख्या जरूरत से ज्यादा होने के कारण, वैध आढ़त का धंधा लाभप्रद नहीं रहा। ऐसे में कुछ आढ़तियों ने अपनी आय बढ़ाने के लिए कच्ची पर्ची व्यवस्था, मनी लॉन्ड्रिंग व नकली बीज-खाद-दवाई बेचने जैसे अवैध धन्धे अपना लिये। वहीं तन्त्र के कुछ भ्रष्ट लोगों की मिलीभगत से किसानों का शोषण और सरकारी धन का गबन करते रहे हैं। आढ़तियों ने कृषि उपज विपणन कमेटी एक्ट-1961 रूल्स-1962 का उल्लंघन कर कच्ची पर्ची सिस्टम से वर्ष-2025 में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के धान घोटाले में सरकारी धन के गबन को अंजाम दिया। जिसकी राज्य सरकार विभिन्न स्तर पर जांच कर रही है। जबकि किसान संगठन और राजनीतिक दलों के नेता आढ़तियों द्वारा किये गये कथित घोटाले की विस्तृत जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय से कराने की मांग कर रहे हैं। कथित तौर पर यह सरकारी धन आढ़तियों के जरिये काले धन में प्रवर्तित किया गया। हरियाणा राज्य कृषि उपज विपणन कमेटी अधिनियम के तहत राज्य कृषि उपज विपणन बोर्ड मंडियों में कृषि उपज की खरीद-फरोख्त करने के लिए कमीशन एजेंट को आढ़त का लाइसेंस देता है जो सरकार के दिशानिर्देश अनुसार व्यापार करने को कानूनी तौर पर बाध्य हैं। लेकिन बिचौलिए आढ़ती मिलीभगत से तय नियमों का उल्लंघन करके मनी लॉन्ड्रिंग धंधे (किसानों को अत्यधिक ब्याज पर कर्ज देना आदि) में लगे हुए हैं। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 में काले धन को वैध बनाने से रोकने के लिए इन अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्ति जब्त करने और इनमें शामिल लोगों को 10 साल तक की सजा का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त, मजबूर कर्जमंद किसानों को आढ़ती बिना लाइसेंस लिए ही कथित नकली बीज-उर्वरक- कृषि रसायन आदि बेचकर, किसान और खेती को गंभीर नुकसान कर रहे हैं। आढ़तियों की अवैध मनी लॉन्ड्रिंग और कृषि निवेश व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाने से हरियाणा की मंडियों में वर्षों से हो रहे करीब दस हजार करोड़ रुपए वार्षिक के किसानों के शोषण और सरकारी धन के गबन पर भी लगाम लग सकेगी और खेती टिकाऊ बनेगी। जिससे कृषि विपणन में क्रान्तिकारी सुधार और लेन-देन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही आढ़तियों द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग व धोखाधड़ी पर नकेल कसेगी।

बेनामी संपत्ति ने बिगाड़ा नेपाली राजनीति का खेल

पुष्परंजन

नेपाल में गृहमंत्री पद त्याग चुके सुदन गुरुंग कुछ ऐसी बात बोल जाते थे, जो जेरे बहस होकर दूर तलक जाती। गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'जब आप गरीब पैदा होते हैं, तो यह आपकी गलती नहीं होती; लेकिन अगर आप गरीब मरते हैं, तो यह आपकी गलती होती है। सरकार में शामिल होने से पहले धन कमाना पाप नहीं है; सरकार में शामिल होने के बाद भ्रष्टाचार कर के धन कमाना पाप है।' सुदन गुरुंग का यह एक ऐसा फलसफा था, जो जैसे भी पैसा कमाने वालों को कुतर्क करने, और स्वयं को संतुष्ट करने का हथियार बन गया। जेन-जी की एक और स्टार व पेशे से इंजीनियर, रक्षा बम ने सुदन गुरुंग को सलाह दी, कि वे अपने बयान को सुधारें। उन्होंने कहा, 'जो लोग अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में असमर्थ हैं, उन्हें दोषी ठहराना आपके पद की गरिमा को कम करता है। फिल्मों के डायलॉग फिल्मों के लिए लिखे जाते हैं; असल जिंदगी अपने-आप में एक संघर्ष है।'

सुदन गुरुंग का माजी जो लोग जानते हैं, उनका भी मानना है, कि जेन-जी आंदोलन के इस सुपर स्टार ने भयानक गरीबी देखी थी। अब अरबों की संपत्ति हो गई, तो गरीबी का मजाक़ उड़ा रहा है। नेपाल के गोरखा जिले में जन्मा 39 साल का सुदन गुरुंग, राजनीति में आने से पहले, पार्टियों और क्लबों में डीजे का काम किया करता था। फिर काठमांडू में कुछ लोगों से जुड़कर उसने 'ओएमजी' 'नाइटक्लब' चलाना शुरू किया। इन अनुभवों ने उसे बड़े इवेंट ऑर्गेनाइज करना, टीम मैनेज करना और कई तरह के लोगों से मिलना-जुलना सिखाया। 2015 के गोरखा भूकंप के बाद उनकी जिंदगी बहुत बदल गई। सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके, सुदन ने वॉलंटियर्स जमा किये। सैकड़ों लोग खाना, रहने की जगह और मदद पहुंचाने के लिए उनके साथ जुड़ गए। यह ग्रुप बाद में 'हामी नेपाल' बना, जो युवाओं का संगठन है। 'हामी नेपाल' ने पहले आपदा राहत पर ध्यान दिया। धीरे-धीरे कम्युनिटी वर्क, यूथ ट्रेनिंग और सिविक प्रोजेक्ट्स में भी फैल गया। इसने बाढ़, भूस्खलन और कोविड-19 संकट के दौरान पीड़ितों की मदद की।

सुदन गुरुंग की लीडरशिप में पूरे देश में युवा वॉलंटियर्स का एक मजबूत नेटवर्क बनाया। वर्ष 2025 के जेन-जी आंदोलन में, जब ओली सरकार ने सोशल मीडिया ब्लॉक कर दिया, तो 'हामी नेपाल' युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का एपीसेंटर बन गया, जिससे पता चला कि आपदा राहत से बना एक ग्रुप कैसे शांतिपूर्ण सिविक मूवमेंट चला सकता है। लेकिन, बात सिर्फ पोलिटिकल एक्टिविजम तक सीमित नहीं थी। इस संस्था के पास अथाह पैसे आना बहस का विषय बना। सुदन गुरुंग का गृह मंत्री बनना और मंत्रिपरिषद में वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले के बाद तीसरे नंबर पर रखा जाना, पार्टी में कई लोगों को नागवार गुजरा। लोगों ने आपत्ति की, कि पहली बार मंत्री बने गुरुंग को इतना सीनियर पोजीशन नहीं देना चाहिए था। दो हफ्ते से भी कम समय में उनकी रैंक बदल दी गई।

पहले नंबर पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, दूसरे नंबर पर वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले, तीसरे नंबर पर विदेश मंत्री शिशिर खनाल, चौथे नंबर पर ऊर्जा मंत्री बिराज भक्त श्रेष्ठ और पांचवे नंबर पर गृह मंत्री सुदन गुरुंग को रखा गया। यह भी आगे चलकर किरकिरी का कारण बना। सुदन गुरुंग गृह मंत्रालय के बहुत सारे आदेश इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिये दिये थे। पद संभालने की रात ही, उन्होंने कार्की कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन होम मिनिस्टर रमेश लेखक की गिरफ्तारी के लिए दबाव डाला। इस गिरफ्तारी से हंगामा मच गया। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'वादा तो वादा होता है, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, यह किसी से बदला नहीं है, यह तो बस न्याय की शुरुआत है।' ओली और लेखक की गिरफ्तारी के तुरंत बाद पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का को भी गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, कोर्ट ने कानूनी आधार, और सबूतों की कमी का हवाला देते हुए गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को रिहा कर दिया। इसके बचाव में सुदन गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर जवाब दिया, 'मुझे लगा था कि मंत्री बड़े हैं, अब जब कोर्ट बड़ा लग रहा है, तो मैं कानून की पढ़ाई शुरू करूंगा।' न्यायपालिका पर देश का गृहमंत्री इस तरह की टिप्पणी करे, वह शिष्टाचार की लक्ष्मण रेखा को पार करने वाला था। गृह मंत्रालय का मुखिया सोशल मीडिया पर अरेस्ट वारंट पोस्ट कर '1, 2, 3' कहकर अरेस्ट की गिनती करना शुरू कर दे, यह किसी को भी अजीब लग सकता है।

सुदन गुरुंग ने ऐलान किया था, कि मंत्री बनने के बाद वे सरकारी गाड़ी नहीं चलाएंगे, मगर उन्होंने जो प्राइवेट गाड़ी चलाई, वह उस कंपनी की थी, जिसमें उन्होंने हवाला के पैसे लगाए थे। पहले सुदन ने ऐलान किया था, 'मैं राजनीति नहीं करूंगा, मंत्री नहीं बनूंगा' वो 'आरएसपी' से टिकट लेकर गोरखा-एक से चुनाव लड़े, और मंत्री भी बने। जेन-जी के जो भी मंत्री एक-एक करके नप रहे हैं, वो बालेन्द्र शाह के विरुद्ध विभीषण की भूमिका नहीं निभाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। उधर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सर्वोच्च लीडरशिप का हाल 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' जैसा है। इस पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने को वाशिंग मशीन में ड्राइ क्लीन कर के कैसे 'परमहंस' बनाया जाये, इस वास्ते प्रतिनिधिसभा संचालन नियमावली मसौदा समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। लामिछाने को पिछली सरकार के स्पीकर देवराज घिमिरे ने सस्पेंड कर दिया था।

गर्मियों में चिपचिपी त्वचा से निजात दिलाएंगे ये स्किन केयर रुटीन

मॉइस्चराइजर लगाएं

कई लोग गर्मियों में मॉइस्चराइज़र लगाना छोड़ देते हैं, लेकिन यह सही नहीं है। स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए ऑयल-फ्री या जेल बेस्ड मॉइस्चराइज़र इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

टोनर का इस्तेमाल करें

टोनर स्किन के पोर्स को टाइट करने में मदद करता है और अतिरिक्त ऑयल को कम करता है। आप गुलाब जल या हल्के टोनर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

दो बार फेसवॉश करें

गर्मियों में चेहरे पर धूल, पसीना और ऑयल जमा हो सकता है। इसलिए दिन में कम से कम दो बार हल्के फेसवॉश से चेहरा साफ करना जरूरी है। इससे त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस होती है।

गर्मियों के मौसम में पसीना आना आम बात है। कई लोगों को पसीने की वजह से त्वचा में चिपचिपाहट, तैलीय और पिंपल्स जैसी समस्याएं होने लगती हैं। पसीने के कारण त्वचा के पोर्स बंद हो सकते हैं, जिसके स्किन डल और असहज महसूस होने लगती है। ऐसे में अगर सही स्किन केयर रुटीन अपनाया जाए, तो इन समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इन 6 आसान स्किन केयर रुटीन जो गर्मियों में आपकी त्वचा को फ्रेश बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से इन आसान टिप्स को अपनाते हैं, तो आपकी त्वचा गर्मियों में भी फ्रेश, साफ और हेल्दी बनी रह सकती है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं

गर्मियों में तेज धूप त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी है। इससे टैनिंग और स्किन डैमेज से बचाव हो सकता है। और त्वचा स्वस्थ्य और हेल्दी बनी रहती है।

पर्याप्त पानी और हेल्दी डाइट लें

त्वचा को हेल्दी बनाए रखने के लिए शरीर को अंदर से हाइड्रेट रखना जरूरी है। इसके लिए ज्यादा पानी पिएं, ताजे फल और सब्जियां खाएं। तला-भुना खाना कम करें। इसके अलावा गर्मियों में बहुत ज्यादा मेकअप करने से बचें। हल्का और स्किन-फ्रेंडली प्रोडक्ट इस्तेमाल करना बेहतर होता है। बता दें कि हमारे डेली पानी के सेवन का लगभग आधा हिस्सा खाने से आता है, इसलिए लोगों को प्रतिदिन केवल 1.5 से 1.8 लीटर पानी की आवश्यकता हो सकती है।

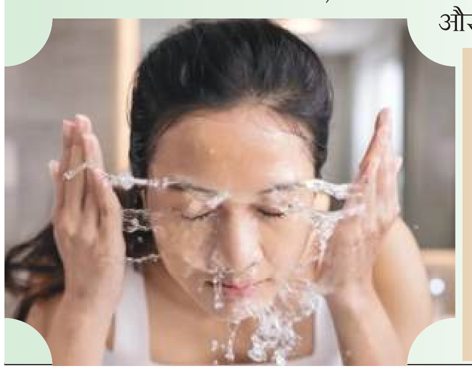

चेहरे को ठंडक दें

अगर स्किन ज्यादा चिपचिपी महसूस हो रही है, तो आप ठंडे पानी से चेहरा धो सकते हैं और आइस क्यूब से हल्की मसाज कर सकते हैं। इससे त्वचा को राहत मिल सकती है। क्योंकि ठंडे पानी से चेहरा धोना अच्छा माना जाता है, क्योंकि इसकी वजह से स्किन टोन बेहतर होती है, यह स्किन की पफीनेस को दूर करता है। असल में, यह ब्लड वेसल्स को अस्थाई रूप से कंस्ट्रिक्ट कर देता है, जो आंखों के आसपास की सूजन को कम करने में मदद करता है। साथ ही, स्किन पोर्स भी खुलते है, जिससे त्वचा का निखार बढ़ता है।

हंसना मना है

सरकार का नया रूल, जिसके 5 बच्चे हो उसे घर मिलेगा। पप्पू के 3 थे उसने वाईफ से कहा, पड़ोस के 2 मेरे हैं उनको लेके आता हूं! (लाने के बाद) पप्पू : अपने 3 कहां गए? वाईफ : जिसके थे वह ले गया।

बेटा- पापा आप रात को मम्मी के साथ क्यूं सोते हो? पापा-बेटा इससे आपस में प्यार बढ़ता है, बेटा- पापा उल्लू मत बनाओ, साथ सोने से प्यार नही परिवार बढ़ता है।

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त: कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त: स्वर्ग की अप्सरा है और तेरी? पहला दोस्त: मेरी तो अभी ज़िंदा है!

टीचर: इतने दिन से कहां थे? लड़का: बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर: पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का : आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान ने एक आदमी से सवाल किया तेरी ईच्छा क्या है, आदमी बोला- प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो, भगवान हंसने लगे और कहा- मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

आदमी- सर, मेरी वाइफ खो गई है, पोस्टमैन: यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी: ओह सॉरी! साला ख़ुशी के मारे कहां जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

कहानी — रेत से चीनी अलग करना

एक बार बादशाह अकबर, बीरबल और सभी मंत्रीगण दरबार में बैठे हुए थे। एक-एक करके राज्य के लोग अपनी समस्याएं लेकर दरबार में आ रहे थे। इसी बीच वहां एक व्यक्ति हाथ में एक मर्तबान लेकर पहुंचा। सभी उस मर्तबान की ओर देख रहे थे, तभी अकबर ने उस व्यक्ति से पूछा- 'क्या है इस मर्तबान में?' उसने कहा, 'महाराज इसमें चीनी और रेत का मिश्रण है।' अकबर ने फिर पूछा 'किसलिए?' दरबारी ने कहा- 'गलती माफ हो महाराज मैं बीरबल की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेना चाहता हूं। मैं यह चाहता हूं कि बीरबल इस रेत में से बिना पानी का इस्तेमाल किए, चीनी का एक-एक दाना अलग कर दें।' अब सभी हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। अब अकबर ने बीरबल की ओर देखा और कहा, 'देख लो बीरबल, अब तुम कैसे इस व्यक्ति के सामने अपनी बुद्धिमानी का परिचय दोगे।' बीरबल ने कहा, 'महाराज हो जाएगा, यह तो मेरे बाएं हाथ का काम है।' बीरबल उठे और उस मर्तबान को लेकर महल में मौजूद बगीचे की ओर बढ़ चले। उनके पीछे वह व्यक्ति भी था। अब बीरबल बगीचे में एक आम के पेड़ के नीचे पहुंचे। मर्तबान में मौजूद रेत और चीनी के मिश्रण को एक आम के पेड़ के चारों तरफ फैलाने लगे। तभी उस व्यक्ति ने पूछा, 'अरे यह क्या कर रहे हो?' बीरबल ने कहा, 'ये आपको कल पता चलेगा।' इसके बाद दोनों महल में वापस आ गए। अब सभी को कल सुबह का इंतजार था। अगली सुबह जब दरबार लगा, तो अकबर और सारे मंत्री एक साथ बगीचे में पहुंचे। साथ में बीरबल और रेत व चीनी का मिश्रण लाने वाला व्यक्ति भी था। सभी ने देखा कि अब वहां सिर्फ रेत पड़ी हुई है। दरअसल, रेत में मौजूद चीनी को चीटियों ने निकालकर अपने बिल में इकट्ठा कर लिया था और बची-खुची चीनी को कुछ चीटियां उठाकर अपने बिल में ले जा रही थीं। व्यक्ति ने पूछा, 'चीनी कहां गई?' तो बीरबल ने कहा, 'रेत से चीनी अलग हो गई है।' सभी जोर-जोर से हंसने लगे। बीरबल की यह चतुराई देख अकबर ने उस व्यक्ति से कहा, 'अगर अब तुम्हें चीनी चाहिए, तो तुम्हें चीटियों के बिल में घुसना पड़ेगा।' इस पर सभी ने फिर से ठहाका लगाया और बीरबल की तारीफ करने लगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

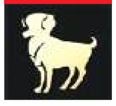

जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

तुला

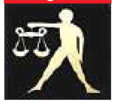

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। प्रतिद्वंद्विता रहेगी।

वृषभ

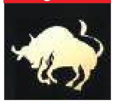

पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

आय में निश्चितता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है।

मिथुन

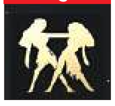

मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु

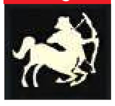

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

कर्क

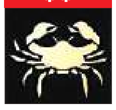

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें। घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा।

मकर

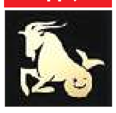

प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी।

सिंह

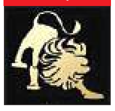

मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुम्भ

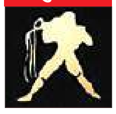

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

कन्या

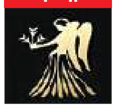

घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

हालीवुड | मन की बात

शाहरुख खान अंकल हमारे सबसे शुरुआती इंस्पिरेशन रहे हैं : अहान

अहान पांडे को मोहित सूरी की फिल्म सैयारा के चलते लोगों से काफी प्यार मिला। अब हाल ही में अहान ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने अंकल शाहरुख से क्या सीखा है। साथ ही सुपरस्टार के बारे में बात करते हुए अहान ने ये भी कहा कि उनके जैसा कोई नहीं है। अभिनेता अहान ने फिल्मफेयर के साथ इंटरव्यू में बताया कि शाहख खान उनके 'सबसे शुरुआती इंस्पिरेशन' रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने उनसे क्या सीखा, तो अहान ने बहुत सादगी से कहा कि इसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उनके मुताबिक, बचपन से साथ रहने की वजह से कई बातें अपने आप, बिना महसूस किए ही सीख में आ जाती हैं। अहान, आर्यन खान और सुहाना खान के बचपन के दोस्त हैं। उन्होंने खान परिवार को बहुत 'दिलदार' बताया। उन्होंने यह भी शेयर किया कि दुबई की उनकी पहली ट्रिप भी उन्होंने इसी परिवार के साथ क्रिसमस की छुट्टियों में की थी। शाहरुख के बारे में बात करते हुए अहान ने कहा कि वो असल जिंदगी में भी बिल्कुल वैसे ही हैं जैसे लोग उन्हें देखते हैं, बहुत दयालु और समझदार। उन्होंने कहा कि कैमरे के पीछे भी शाहरुख में एक खास बात है, वो हर इंसान को यह एहसास कराते हैं कि वह खास है और उसकी अहमियत है। अहान ने एक और दिलचस्प किस्सा सुनाया। जब वो सिर्फ 17 साल के थे, उन्होंने 'फिफ्टी' नाम की एक शॉर्ट फिल्म बनाई थी। उन्होंने अंकल शाहरुख से पूछा कि क्या वो फिल्म देखेंगे, और शाहरुख ने खुशी-खुशी हां कहा। इतना ही नहीं, उन्होंने फिल्म को और बेहतर बनाने के लिए कुछ सुझाव भी दिए। अहान ने ये भी बताते हुए कहा कि उनके अंकल जैसा दूसरा कोई नहीं है। बता दें कि शाहरुख खान जल्द ही एक्शन फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद बना रहे हैं, जिसमें शाहरुख के अलावा दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन और सुहाना खान जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज हो सकती है।

'किंग' रिलीज डेट हुई कंफर्म

क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी शाहरुख खान की फिल्म

शाहरुख खान की 'किंग' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की भारी-भरकम स्टारकास्ट पहले से ही सुर्खियां बटोर रही है। वहीं पिछले साल शाहरुख के बर्थडे पर फिल्म का पहला लुक सामने आने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हैं। अब मेकर्स ने फिल्म का एक नया टीजर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट कंफर्म कर दी है।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा इंस्टाग्राम पर 'किंग' का एक खास टीजर जारी किया गया। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया कि 'किंग' क्रिसमस के मौके पर एक दिन पहले 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस घोषणा के साथ

इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प कैप्शन भी शेयर किया गया, जिसमें शाहरुख खान की बॉलीवुड के बादशाह के रूप में लोकप्रियता का जिक्र किया गया।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, एक ऐसी दहाड़ जो साम्राज्य को हिला दे। किंग 24.12.2026 को आ रही है। साझी की गई छोटी सी झलक में शाहरुख खान एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। जहां वो कहते हैं, 'डर नहीं, दहशत हूं। शाहरुख खान के साथ 'पठान' का निर्देशन कर चुके सिद्धार्थ आनंद ही 'किंग' का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कास्ट पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मसाला

इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला, जयदीप अहलावत, रानी मुखर्जी, जैकी श्रॉफ, अभय वर्मा और राघव जुयाल समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म के शीर्षक का खुलासा पिछले साल 2 नवंबर को शाहरुख खान के जन्मदिन पर हुआ था। तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। पहले लुक में शाहरुख खान ग्रे कलर के बालों में एक्शन अवतार में नजर आ रहे थे। फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण का रोमांटिक एंगल होगा।

33 साल बाद रिटर्न हो रही संजय दत्त की आईकॉनिक फिल्म 'खलनायक'

33 साल पहले आई संजय दत्त की आईकॉनिक फिल्म 'खलनायक' आज भी लोगों को याद है। लेकिन अब 33 साल बाद खलनायक फिर लौट आया है। साल 1993 की सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल की आज घोषणा कर दी गई है। मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी कर दिया है।

मेकर्स और संजय दत्त ने अपने इंस्टाग्राम पर 'खलनायक रिटर्न्स' की घोषणा करते हुए फिल्म का पहला पोस्टर और फर्स्ट लुक जारी किया है। फर्स्ट लुक वीडियो में संजय दत्त बड़े बालों वाले लुक में नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में दिखता है कि कई लोग घायल अवस्था में पड़े हैं। तभी संजय दत्त वहां पहुंचते हैं, एक इंसान उनसे रहम की भीख मांगता है।

वो हाथ से जमीन पर पड़े खून और ज्वलनशील पदार्थ से अपनी सिगरेट जलाते हैं। इसके बाद वो कहते हैं, 'बोला था न, 10 अक्तूबर रात दस बजे बल्लू जेल से फुर्र।' इसके बाद वो खलनायक का

टाइटल ट्रैक 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं' गाते हुए वहां से निकल जाते हैं। फर्स्ट लुक से जाहिर है कि संजय दत्त बल्लू के किरदार में वापसी करेंगे और एक बार फिर पर्दे पर दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे। इसके अलावा फिल्म के दो पोस्टर भी जारी किए गए

बॉलीवुड | मसाला

हैं। इनमें संजय दत्त लंबे बालों वाले लुक में खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते हुए संजय दत्त ने कैप्शन में लिखा, 'हर कहानी का एक वक्त होता है और उसका वक्त आ गया है। खलनायक रिटर्न्स।' इसके अलावा फर्स्ट लुक वीडियो को साझा करते हुए संजय दत्त ने लिखा, 'कुछ कहानी खत्म नहीं होती, वो दोबारा शुरू होती हैं।' हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियो के तहत किया गया है।

खलनायक 2 के टीजर और पोस्टर लॉन्च के दौरान संजय दत्त ने कहा कि मुझे जेल में खलनायक 2 बनाने का विचार आया। मैं जेल में म्यूजिक बजाया करता था और वहां सबसे ज्यादा मांग हमेशा खलनायक की ही होती थी।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है भारत का श्रापित पौधा

इस पौधे की खूबसूरती देख खींचे चले आते हैं जानवर, पत्ते खाते ही हो जाता है खौफनाक हाल

भारत में कई ऐसे पौधे पाए जाते हैं जो अपनी खूबसूरती से लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपा सच काफी खतरनाक होता है। ऐसा ही एक पौधा है लैंटाना, जिसे अक्सर भारत का श्राप कहा जाता है। पहली नजर में यह पौधा रंग-बिरंगे फूलों के कारण बेहद आकर्षक लगता है, लेकिन इसके नुकसान जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

लैंटाना एक आक्रामक (इनवेसिव) प्रजाति का पौधा है, जो बहुत तेजी से फैलता है। इसकी खासियत यह है कि यह सूखा और खारे पानी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रह सकता है। यही वजह है कि यह एक बार जहां उग जाता है, वहां से इसे हटाना बेहद मुश्किल हो जाता है।

इस पौधे की सबसे खतरनाक बात इसकी जहरीली प्रकृति है। इसके पत्ते अगर मवेशी या अन्य जानवर खा लें, तो उनके शरीर पर गंभीर असर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, लैंटाना के सेवन से जानवरों के लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है और कई मामलों में उनके अंग फेल होने

लगते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा को सूरज की रोशनी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देता है, जिससे स्किन को भी नुकसान होता है। हालांकि, यह भी सच है कि इस पौधे के कुछ हिस्सों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। इसके पूरी तरह पके हुए फल कुछ जगहों पर खाने योग्य माने जाते हैं, लेकिन कच्चे फल जहरीले हो सकते हैं। यही वजह है कि इस पौधे को लेकर लोगों में भ्रम बना रहता है।

लैंटाना केवल जानवरों के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी बड़ा खतरा है। यह पौधा अपने आसपास की जमीन में ऐसे रसायन छोड़ता है, जो अन्य पौधों के उगने में बाधा डालते हैं। इस प्रक्रिया को एलीलोपैथी कहा जाता है। यानी यह अपने आसपास की जमीन को ही जहरीला बना देता है, जिससे स्थानीय वनस्पतियां खत्म होने लगती है। भारत के कई जंगलों में यह पौधा तेजी से फैल चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह देश के लगभग 40 प्रतिशत टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में फैल गया है।

इसका घना जाल घास और अन्य पौधों को ढक देता है, जिससे हिरण जैसे शाकाहारी जानवरों को भोजन नहीं मिल पाता। इसके कारण वन्यजीवों को अपना प्राकृतिक आवास छोड़ना पड़ता है। एक और गंभीर खतरा यह है कि लैंटाना जंगल की आग को और भी खतरनाक बना सकता है। इसमें मौजूद तेल जल्दी आग पकड़ लेते हैं और इसे लैडर फ्यूल की तरह काम करने वाला पौधा माना जाता है, जो जमीन की आग को पेड़ों की ऊंचाई तक पहुंचा देता है। इससे जंगल की आग ज्यादा तेजी से फैलती है और नुकसान भी बढ़ जाता है।

यहां कब्रिस्तान में रहते हैं लोग, कब्रों के बगल में लगाते हैं बिस्तर, वहीं बैठकर खाते हैं खाना!

दुनिया में रहने के लिए लोग अलग-अलग तरह की जगहों का चुनाव करते है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कोई कब्रिस्तान में भी रह सकता है? सुनने में यह बात भले ही अजीब और डरावनी लगे, लेकिन फिलीपींस की राजधानी मनीला में एक ऐसा कब्रिस्तान है, जहां हजारों लोग अपने परिवार के साथ रहते हैं। यह जगह मनीला नॉर्थ सेमेट्री के नाम से जानी जाती है। यहां करीब 6 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं, जिन्होंने कब्रों के बीच ही अपना आशियाना बना लिया है। ये लोग कब्रों के ऊपर या उनके आसपास छोटे-छोटे घर बनाकर रहते हैं। यही नहीं, ये लोग वहीं खाना बनाते हैं, खाते हैं और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बिताते हैं। इस अनोखी बस्ती की सबसे खास बात यह है कि यहां रहने वाले कई लोग अपने प्रियजनों की कब्रों के पास ही घर बनाते हैं। उनका मानना है कि इससे वे अपने परिवार के दिवंगत सदस्यों के करीब रहते हैं। हालांकि, इसके पीछे एक बड़ी वजह आर्थिक मजबूरी भी है। फिलीपींस में बढ़ती आबादी और गरीबी के कारण कई लोगों के पास रहने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। ऐसे में वे सस्ते या मुफ्त में रहने की जगह ढूंढते हैं, और कब्रिस्तान उन्हें एक विकल्प के रूप में दिखाई देता है। धीरे-धीरे यह जगह एक पूरी बस्ती में बदल गई, जहां बच्चे खेलते हैं, लोग काम पर जाते हैं और सामान्य जीवन जीने की कोशिश करते हैं। हालांकि, यहां रहना आसान नहीं है। साफ-सफाई की कमी, सीमित संसाधन और सुरक्षा की समस्याएं यहां रहने वाले लोगों के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिर भी वे अपनी परिस्थितियों के साथ समझौता कर इस जगह को अपना घर बना चुके हैं। सोशल मीडिया पर जब इस कब्रिस्तान की तस्वीरें और वीडियो सामने आते हैं, तो लोग हैरान रह जाते हैं। कई लोग इसे डरावना बताते हैं, तो कुछ इसे मजबूरी की मिसाल मानते हैं। यह जगह हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि दुनिया में आज भी ऐसे लोग हैं, जो बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या केवल फिलीपींस तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के कई देशों में शहरी गरीबी के कारण ऐसी स्थितियां देखने को मिलती है। यह एक सामाजिक और आर्थिक चुनौती है, जिसे हल करने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर काम करना होगा।

ममता राज में लोकतंत्र खत्म

» पश्चिम बंगाल के आसनसोल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर भड़के राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर राहुल गांधी ने ममता सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे टीएमसी का गुंडा राज करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में राजनीतिक हिंसा के जरिए विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी के साथ पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग की है। बंगाल के आसनसोल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। इस घटना पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी की सरकार पर सीधा निशाना साधा है।

राहुल गांधी ने इसे बंगाल में लोकतंत्र की जगह टीएमसी का गुंडा राज चलने जैसा बताया है। देबदीप चटर्जी आसनसोल उत्तर से कांग्रेस उम्मीदवार प्रसेनजीत पुतुंडी के साथ काम करते थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की हत्या बेहद शर्मनाक है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि बंगाल में विपक्ष की आवाजों को डराना, उन्हें मारना और मिटाना टीएमसी का स्वभाव बन गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में हो रही राजनीतिक हिंसा लगातार लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है राहुल गांधी ने अपनी पार्टी का पक्ष रखते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर नहीं टिकी है और न ही कभी टिकेगी। उन्होंने कहा, हमने भी अपने कई कार्यकर्ता खोए हैं, लेकिन इसके बावजूद हमने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है। यही हमारी विरासत है और यही हमारा संकल्प है।

ममता सरकार से इस मामले में तत्काल और ठोस कार्रवाई की मांग

कांग्रेस ने ममता सरकार से इस मामले में तत्काल और ठोस कार्रवाई की मांग की है। पार्टी ने अपनी मांग साफ तौर पर रखी है कि सभी दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उन्हें सबसे सख्त सजा मिले। देबदीप के परिवार को पूरी सुरक्षा दी जाए और परिवार को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने अंत में कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली इस राजनीति के सामने कांग्रेस झुकने वाली नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवार को न्याय जरूर मिलेगा।

राघव चड्ढा सहित सात रास सांसदों पर चौतरफा वार

» सिर्फ मसालों से सब्जी नहीं बनती : भगवंत मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राघव चड्ढा सहित सात राज्यसभा सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने से पंजाब से लेकर महाराष्ट्र तक की राजनीति में हलचल मच गई है। जहां इस पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चड्ढा पर मसालों से सब्जी नहीं बनती कहकर तंज कसा, जो दलबदल करने वाले नेताओं के महत्व को कमतर आंकता है। वहीं राघव के मुंबई के आवास के बाहर आप के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया है।

मान ने चड्ढा का नाम लिए बिना, पंजाबी में एक पोस्ट में पाक कला से जुड़ा उदाहरण देते हुए कहा कि अदरक, लहसुन और मसाले जैसी सामग्रियां मिलकर किसी व्यंजन का स्वाद तो बढ़ा सकती हैं, लेकिन अकेले-अकेले वे व्यंजन नहीं बना सकतीं। यह स्पष्ट रूप से अलग हुए सांसदों के समूह पर कटाक्ष था। मान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अदरक, लहसुन, जीरा, मेथी पाउडर, लाल मिर्च, काली मिर्च और धनिया-ये सातों चीजें मिलकर सब्जी को स्वादिष्ट बनाती हैं, लेकिन अकेले ये सब्जी नहीं बन सकतीं। यह घटनाक्रम चड्ढा द्वारा आम आदमी पार्टी से अलग होने की घोषणा और यह ऐलान करने के एक दिन बाद सामने आया है कि राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने वाले उसके 10 सांसदों में से सात भाजपा में विलय कर लेंगे।

आप में माहौल टॉक्सिक हो गया था : राघव चड्ढा

सांसद राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि पॉलिटिक्स में आने से पहले मैं एक सीए था, मेरे सामने एक बेहतर करियर था, उसे छोड़कर मैं राजनीति में आया। अपना करियर को बनाने के लिए राजनीति में नहीं आया। एक पॉलिटिकल पार्टी का फाउंडिंग मेंबर बना, जिस पार्टी को मैंने अपने प्राइम यूथ के 15 साल दिए। अपने खून-पसीने और बहुत मेहनत से इस पार्टी को सींचा, लेकिन आज ये पार्टी पुरानी वाली पार्टी नहीं रही। इस पार्टी में आज एक टॉक्सिक वर्क एनवायरमेंट है। इसी के चलते मेरे सामने सिर्फ तीन विकल्प थे, पहला विकल्प कि मैं राजनीति ही छोड़ दूं। दूसरा विकल्प कि मैं इसी पार्टी में रहूं और चीजें ठीक करने की कोशिश करूं, जो कि हुआ नहीं।तीसरा विकल्प कि मैं अपनी ऊर्जा और अनुभव लेकर किसी और पार्टी के साथ जुड़कर सकारात्मक राजनीति करूं। इसलिए अकेले मैंने ही नहीं, मेरे साथ छह और सांसदों ने यह फैसला लिया कि हम इस पार्टी से रिश्ता तोड़ देंगे। एक आदमी गलत हो सकता है, दो आदमी गलत हो सकते हैं, लेकिन सात लोग गलत नहीं हो सकते। वे अनगिनत शिक्षित लोग जो इस पार्टी के साथ जुड़े थे, क्या वे सारे लोग गलत थे?

7 आप सांसदों के विलय को सभापति की मंजूरी

» रास में दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंचा एनडीए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही सदन में भाजपा सदस्यों की संख्या बढ़कर 113 हो गयी है जबकि आप सदस्यों की संख्या घटकर तीन हो गयी है। वहीं अब राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की कुल संख्या 141 से बढ़कर 148 तक पहुंच गई है। राज्यसभा सचिवालय द्वारा उच्च सदन में दलों की स्थिति को अपडेट किए जाने के साथ ही यह परिवर्तन आधिकारिक रूप से दर्ज हो गया है।

हम आपको बता दें कि यह घटनाक्रम उस समय सामने आया जब कुछ दिन पहले राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया गया था। इसके बाद उन्होंने और छह अन्य सांसदों ने आम आदमी पार्टी से अलग होने और भारतीय जनता पार्टी में विलय का निर्णय लिया। उनके साथ स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को सातों सांसदों ने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर उन्हें विलय के बाद भाजपा सांसद माने जाने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को राज्यसभा के सभापति को एक पत्र लिखकर दल बदल करने वाले सातों सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का अनुरोध किया था। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि उन्होंने सभापति राधाकृष्णन को पत्र देकर उच्च सदन में पार्टी के उन सातों सांसदों को अयोग्य ठहराने का अनुरोध किया है, जिन्होंने हाल ही में आप छोड़कर भाजपा में विलय की घोषणा की थी।

कर निर्धारण में अनियमितताओं पर बड़ी कार्रवाई

» नगर निगम में कर घोटाले पर निरीक्षक हरिशंकर पांडेय दोषी, वेतनवृद्धि रोकी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में कर निर्धारण में अनियमितताओं के मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। जोन-2 में तैनात कर निरीक्षक हरिशंकर पांडेय को जांच में दोषी पाए जाने के बाद उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जा चुकी है। जांच में सामने आया था कि ऐशबाग स्थित रामा मेटल इंडस्ट्रीज, प्लॉट नंबर-68 के कर निर्धारण में भारी गड़बड़ी की गई थी। दोनों मूल्यांकन एक-दूसरे से विरोधाभासी पाए गए, जिससे अनियमितता की पुष्टि हुई थी। जांच अधिकारी की रिपोर्ट में आरोप संख्या-1 पूरी तरह सिद्ध पाया गया, जबकि अन्य बिंदुओं पर भी गंभीर लापरवाही सामने आई थी यह भी पाया गया कि बिना उचित कारण दोबारा सर्वे कर कर निर्धारण किया गया, जो नियमों के विरुद्ध है।

पूर्व नगर आयुक्त के आदेश पर कर निरीक्षक की 2 वेतनवृद्धियां स्थायी रूप से रोक दी गई थीं। उनकी सत्यनिष्ठा संदिग्ध घोषित की गई। बाद में वर्ष 019 में नगर निगम स्तर पर पुनः समीक्षा के बाद इस प्रकरण में पहले जारी दंडादेश को वापस लेने का आदेश भी जारी किया गया। नगर निगम में कर निर्धारण जैसे संवेदनशील कार्यों में पारदर्शिता की कमी एक बार फिर उजागर हुई है। यह मामला प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की जरूरत को रेखांकित करता है। जांच टैक्स अधीक्षक अजीत राय को सौंपी गई है। संबंधित इंस्पेक्टर पर दो वर्ष पहले जोन-2 में तैनाती के दौरान व्यापारियों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कार्यालय का घेराव किया था। बाद में टैक्स इंस्पेक्टर ने खुद पर हमले का आरोप लगाकर व्यापारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके बाद उनका तबादला कर दिया गया था।

भाजपा विधायक ने की थी शिकायत

निगम जोन-7 में तैनात टैक्स इंस्पेक्टर हरि शंकर पांडेय को भाजपा विधायक ओपी श्रीवास्तव की शिकायत के बाद लाल बहादुर प्रथम वॉर्ड से हटा दिया गया है। उन पर एक महिला को भवन का असेसमेंट रिवाइज करने के नाम पर परेशान करने और अवैध धन उगाही का आरोप है। इंदिरा नगर बी-ब्लॉक निवासी सविता गर्ग ने इस मामले में नगर निगम अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन सुनवाई न होने पर उन्होंने विधायक से संपर्क किया। विधायक ने नगर आयुक्त को पत्र लिखा। इसके बाद हरि शंकर पांडेय को जोन-7 कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

राघव चड्ढा ने जो किया वह राष्ट्रद्रोह के बराबर : डिंपल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डिंपल यादव ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत अन्य सांसदों को गद्दार बताते हुए एक पार्टी ने भरोसा किया और आप दूसरी में शामिल हो गए? ये राष्ट्रद्रोह के बराबर है। सपा सांसद ने कहा कि इस तरह के कदम देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को कम करते हैं।

लोकसभा में सांसदों को जनता के द्वारा सीधे चुना जाता है और आप राज्यसभा सांसद थे, जिन्हें उनके दलों के द्वारा नामांकित किया जाता है और वे विधानसभाओं द्वारा चुने जाते हैं। डिंपल ने इससे पहले मैनपुरी भी राघव पर हमला बोलते हुए उन्हें गद्दार बताया था। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी की वजह से आप राज्यसभा तक पहुंचे.. सांसद बने.. आप जनता के बीच तो गए नहीं थे वोट मांगने कि आप लोकप्रिय थे और आपको लोगों ने चुनकर भेजा।

सुपरओवर में केकेआर ने जीता मैच

» लखनऊ अंक तालिका में आखिरी स्थान पर लुढ़की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रविवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ सुपरओवर में शानदार जीत दर्ज की। रविवार को इकाना में खेले गए मुकाबले में रोमांच चरम पर रहा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने रिंकू सिंह की नाबाद (50 गेंदों में 83 रनों) की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में लखनऊ की टीम ने भी निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 155 रन बनाए और मुकाबला सुपरओवर में पहुंच गया।

लखनऊ की तरफ से बल्लेबाजी के लिए निकोलस पूरन पहली गेंद पर बोल्ड हुए। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए ऋषभ पंत आए। पंत ने एक रन चुराया। फिर मार्करम तीसरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में रिंकू सिंह को कैच थमा बैठे। इस तरह सुपरओवर में लखनऊ सिर्फ एक रन बना पाई कोलकाता की तरफ से पहली ही गेंद पर रिंकू सिंह ने शानदार चौका लगाकर केकेआर को जीत दिलाई। लगातार पांच मैचों में हार के बाद लखनऊ की टीम आईपीएल 2026 की अंक तालिका में आखिरी स्थान पर पहुंच गई है, जबकि केकेआर ने आठवां स्थान हासिल कर लिया। इस टूर्नामेंट में आठ में से छह मुकाबले गंवा चुकी लखनऊ के खाते में सिर्फ चार अंक हैं। वहीं, केकेआर आठ में दो मैच जीतकर और एक मुकाबला रद्द होने के कारण पांच अंक खाते में जोड़े है। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मिचेल मार्श सिर्फ दो रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए एडेन मार्करम और कप्तान ऋषभ पंत ने 57 रनों की अहम साझेदारी निभाई। इसके बाद कोई अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका।

सैमसन सबसे कम गेंदों में 5000 रन करने वाले तीसरे बल्लेबाज

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह आईपीएल में सबसे कम गेंदों में पांच हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने सुरेश रैना और महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया। सीएसके का सामना चेपॉक स्टेडियम में रविवार को गुजरात से हुआ। इस मुकाबले में सैमसन दो चौकों की मदद से सिर्फ 11 रन बना पाए, लेकिन वह आईपीएल में पांच हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इतना ही नहीं वह यह कारनामा सबसे कम गेंदों में करने वाले तीसरे बल्लेबाज भी बन गए। सबसे कम गेंदों में आईपीएल में पांच हजार रन पूरे करने का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स के नाम है, जिन्होंने 3288 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। दूसरे स्थान पर डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने 3554 गेंदों का सहारा लिया। वहीं, तीसरे स्थान पर संजू सैमसन हैं, जिन्होंने 3555 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर क्रमशः सुरेश रैना (3620 गेंदें), केएल राहुल (3688 गेंदें) और महेंद्र सिंह धोनी (3691 गेंदें) हैं।

बंगाल में चुनाव प्रचार थमा, अंतिम दिन सियासी दलों ने झोंकी ताकत

भाजपा के अमित शाह और योगी का रोड शो, कई टीएमसी नेता भी मैदान में

आप संयोजक केजरीवाल ने सीएम ममता बनर्जी के समर्थन में की रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होने है। विधानसभा चुनाव के लिए आज प्रचार का अंतिम दिन है। बुधवार को बंगाल में दूसरे चरण के लिए मतदान के लिए जहां चुनाव आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है। 142 विधानसभा सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा। इसी के तहत उसने कई जगह छापे मारे। उधर भाजपा, टीएमसी से लेकरें सभी राजनीतिक पार्टियों ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है।

पीएम मोदी आज बैरकपुर में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे हैं तो अमित शाह बेहाला पश्चिम में रोड शो कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन उत्तर 24 परगना में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में रोड शो किया। सीएम ममता बनर्जी ने भी चुनावी रैलियों में जनता के बीच अपनी सरकार की उपलब्धि बताई और वोट देने की अपील की। उधर ममता बनर्जी के समर्थन में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी दौरा किया। वहीं पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में एक प्राथमिक विद्यालय के पास से आठ जिंदा बम बरामद हुए हैं। बम मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने बताया कि ये बम उत्तर 24 परगना के हरबरना इलाके से बरामद हुए हैं।

बंगाल के लोग बदला लेंगे : केजरीवाल

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को चुनाव में जीत की शुभकामनाएं देते कहा कि राज्य के लोग एसआईआर में 90 लाख लोगों के वोट काटने का बदला लेंगे। केजरीवाल ने बंगाल के लोगों को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे हैं।

बंगाल को बचाना मेरा दायित्व है : मोदी

बैरकपुर की रैली में पीएम मोदी ने कहा, बंगाल के प्रति जो मेरा लगाव रहा है, शक्ति की भक्ति रही है। बंगाल मेरे व्यक्तिगत जीवन की आध्यात्मिक यात्रा का ऊर्जा केंद्र रहा है। बंगाल की धरती पर जो मैंने अनुभव किया है, उसे मैं अपने आप पर बहुत बड़ा आशीर्वाद समझता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, बंगाल की सेवा करना, बंगाल को सुरक्षित करना और बंगाल के सामने उपस्थित एक विराट चुनौती से बंगाल को बचाना, ये मेरे भाग्य में भी है और मेरा दायित्व भी है। मैं इस दायित्व से पीछे नहीं हटूंगा।

बंगाल में वोटिंग से पहले कई जिलों में चुनाव आयोग की छापेमारी

बंगाल के कई जिलों में चुनाव आयोग के निर्देश पर एनआईए और अन्य एजेंसियों की टीम छापेमारी कर रही है। अमूमन चुनाव प्रचार के दौरान एनआईए अथवा अन्य केंद्रीय एजेंसियों द्वारा छापेमारी की कार्रवाई कम होती है। लेकिन बंगाल के चुनाव में आखिर ऐसी क्या जरूरत पड़ गई है कि प्रचार के आखिरी दिन आयोग को राज्यव्यापी छापेमारी का आदेश निर्देश जारी करना पड़ा। दरअसल चुनाव आयोग को छापेमारी का यह निर्देश चुनावी हिंसा को कंट्रोल में रखने के लिए देना पड़ा। यूं तो इस बार बंगाल में अब तक हुई वोटिंग पहले की तुलना में शांतिपूर्ण रही है, लेकिन पहले चरण में भी कई जगहों से हिंसा की छिटपुट घटनाएं सामने आ ही गई थीं।

अराघची के मॉस्को दौरे पर भड़के ट्रंप, बर्बाद करने की दी चेतावनी

» ईरान को डराने-धमकाने की कोशिश काम नहीं करेगी : रूस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के चलते तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस दौरे पर मॉस्को पहुंच गए हैं। उनके दस दौरे पर राष्ट्रपति ट्रंप भड़क गए हैं और उसे बर्बाद करने की चेतावनी दी है। उधर रूस ने भी अमेरिका को दो टूक में समझा दिया है। ईरान के विदेश मंत्री के दौरे के बीच ही रूस का एक बड़ा बयान सामने आया है। रूस ने कहा है कि ईरान को सैन्य ताकत का डर दिखाकर डराया-धमकाया नहीं जा सकता।

वियना में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन में रूस के प्रतिनिधि मिखाइल उलयानोव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, सैन्य तैनाती की धमकी और प्रतिबंध कड़े करने की बात ब्लैकमेलिंग है, लेकिन ईरान पर ये चाल काम नहीं करेगी। रूसी राजनयिक ने कहा कि अमेरिका को समझौते के लिए अपने रुख को नरम करना चाहिए।

इस बीच ईरान की संसद के सभापति मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान के पास भी कई अहम पत्ते हैं। गालिबाफ का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनके पास सारे पत्ते हैं, जिनसे वे ईरान पर दबाव बना सकते हैं। अब गालिबाफ ने कहा है कि तेल की सप्लाई और मांग जैसे कई अहम पत्ते हैं, जो ईरान के पास हैं। गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के लिए पर्दे के पीछे से बातचीत जारी है। रूस दौरे से पहले ईरानी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान और ओमान का दौरा किया।

तबाह कर दूंगा तेल की पाइपलाइनें : डोनाल्ड ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा है कि अगर तीन दिन के अंदर ईरान समझौता नहीं करता है तो फिर उसकी तेल की पाइपलाइनों में भयंकर विस्फोट होगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान तेल निर्यात करने के लायक ही नहीं बचेगा।

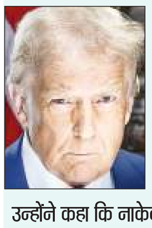

उन्होंने कहा कि नाकेबंदी के चलते ईरान जहाजों के जरिए तेल निर्यात नहीं कर पा रहा है तो वहीं पाइपलाइन ध्वस्त होने के बाद उसका निर्यात एकदम से बंद हो जाएगा।

रूस दौरा, युद्ध के बाद समन्वय का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा : अब्बास अराघची

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि उनका रूस दौरा, युद्ध के बाद समन्वय का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अराघची ने ये टिप्पणियां सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए पर प्रसारित एक पूर्व-रिकॉर्डेड साक्षात्कार में कीं। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए एक अच्छा अवसर है कि हम युद्ध से जुड़े घटनाक्रम और वर्तमान स्थिति पर अपने रूसी मित्रों के साथ परामर्श करें। अराघची ने कहा कि अमेरिका के रवैये के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता में देरी हुई। उन्होंने कहा, पिछली वार्ता में प्रगति होने के बावजूद, अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकी और इसके लिए उन्होंने अमेरिका की बहुत ज्यादा मांगों को जिम्मेदार ठहराया।

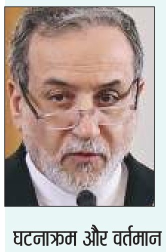

ईडी के पंजाब में हरचरण सिंह भुल्लर के 11 जगहों पर छापे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 202 के तहत हरचरण सिंह भुल्लर (पूर्व डीआईजी) और अन्य से जुड़े मामले में 11 जगहों (चंडीगढ़-2, लुधियाना-5, पटियाला-2, नाभा-1 और जालंधर-1) पर तलाशी ले रहा है। ये तलाशियां आरोपियों, उनके सहयोगियों और संदिग्ध बेनामीदारों से जुड़ी हैं।

इस तलाशी अभियान का मकसद अपराध से हासिल हुई और संपत्ति का पता लगाना, बेनामी संपत्तियों की पहचान करना और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े सबूत इकट्ठा करना है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई चंडीगढ़ यूनिट द्वारा दर्ज किए गए मूल अपराधों के आधार पर की जा रही है। ये मामले एक आपराधिक केस को निपटाने के लिए एक बिचौलिए के जरिए अवैध रिश्वत मांगने के आरोपों और आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं ज़्यादा संपत्ति पाए जाने से संबंधित हैं। भुल्लर पंजाब पुलिस के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल के पद पर तैनात थे। उन्हें सीबीआई ने 25 में कबाड़ डीलर के शिकायत मांगने के आरोप के बाद गिरफ्तार किया था।

आपसी सहमति वाले रिश्ते और यौन अपराध अलग-अलग बातें : सुप्रीम कोर्ट

» लिव-इन रिलेशनशिप पर कोर्ट की सख्त टिप्पणी- बच्चे के अधिकार सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लिव इन रिलेशनशिप को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि, ऐसे रिश्ते से बाहर निकलना अपने आप में कोई आपराधिक जुर्म नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि आपसी सहमति से बने रिश्तों और यौन अपराधों के बीच स्पष्ट अंतर समझना जरूरी है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने एक महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। महिला ने एक व्यक्ति पर शादी का झूठा वादा करके रेप और मारपीट करने का आरोप लगाया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब दो बालिग बिना शादी के साथ रहने का फैसला करते हैं, तो ऐसे रिश्तों में कुछ जोखिम भी होते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने आगे सवाल उठाया कि अगर रिश्ता आपसी सहमति से बना था, तो उसे बाद में आपराधिक मामले में कैसे बदला जा सकता है।

यूपी की कानून व्यवस्था फिर कटघरे में!

प्रतापगढ़ में सामुहिक दुराचार के बाद नाबालिग की हत्या, दरिंदगी के विरोध पर किशोरों ने जान से मार डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। अभी गाजीपुर का मामला ठंडा हुआ नहीं यूपी के प्रतापगढ़ से दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। इन सब घटनाओं के बाद यूपी की योगी सरकार क ी कानून व्यवस्था एकबार फिर कटघरे में आ गई। इन सबको लेकर विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। बता दें प्रतापगढ़ में एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया गया, विरोध करने पर आरोपी किशोरों ने मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को पेड़ से टांग दिया। मृतका के दोस्त ने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

प्रतापगढ़ के मानिकपुर इलाके में सामूहिक दुष्कर्म का विरोध करने पर 17 वर्षीय दो किशोरों ने युवती (18) की मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसे घटनास्थल से करीब 50 मीटर दूर बाग में ले गए और गले में फंदा लगाकर पेड़ से लटका दिया। मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है, दूसरे की तलाश जारी है। रविवार भोर करीब साढ़े चार बजे परिजनों ने युवती का शव आम के बाग में पेड़ पर लटके देखा तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। नवाबगंज, कुंडा और मानिकपुर थाने की फोर्स के साथ एसपी दीपक भूकर मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए।

आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

जांच-पड़ताल के दौरान पीड़ित परिजन एक पड़ोसी महिला पर भी वारदात में शामिल होने का आरोप लगा रहे थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की और दूसरे पहर उसे गांव से पकड़ लिया, जिसने पुलिस को बताया कि युवती से उसकी दोस्ती थी। शनिवार की रात में उसे घर से 450 मीटर दूर स्थित खेत की तरफ बुलाया था। साथ में दोस्त भी मौजूद था। पहले उसने दुष्कर्म किया। बाद में दोस्त के साथ भी संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। विरोध करने पर भी दुष्कर्म किया। युवती के शोर मचाने पर उसने दोस्त के साथ मिलकर उसे जमीन पर गिरा दिया। दोनों ने मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद खेत में बने धार्मिक स्थल पर लगे झंडे से गला कसकर घसीटते हुए 50 मीटर घर की तरफ स्थित आम के बाग में ले गए और पेड़ पर फंदे से लटका कर भाग निकले।

शरीर पर चोट के निशान विसरा सुरक्षित

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत युवती के शरीर पर जगह-जगह चोट और दांत व नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। रिपोर्ट में प्राथमिक रूप से सामूहिक दुष्कर्म की भी पुष्टि हुई है। आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित कर लिया गया है।

बाहर निकलने पर भाभी ने लगाई थी डांट

पुलिस के अनुसार, शनिवार की रात करीब 11 बजे युवती दोस्त से मिलने के लिए निकली। घर के बाहर बने शौचालय की तरफ बढ़ी। वहां पहले से मौजूद उसकी भाभी ने उसे डांटकर घर के अंदर भेज दिया। रात करीब 12 बजे वह मौका पाकर खेत की तरफ चली गई।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा